आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 279 | उज्जैन, शुक्रवार 29 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

स्ट्रीट वेंडर्स के कल्याण के लिए पीएम स्वनिधि योजना का पुनर्गठन सराहनीय-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रीमंडल द्वारा पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना का पुनर्गठन कर ऋण अवधि 31 मार्च, 2030 तक बढ़ाने के निर्णय का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना में ऋण अवधि को 31 दिसम्बर 2024 से आगे बढ़ाकर 31 मार्च, 2030 करने का निर्णय ऐतिहासिक और अभिनंदनीय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह योजना सभी मेहनतकश छोटे व्यापारियों, रेहड़ी-पटरी वेंडर्स और अन्य प्रकार के स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए निश्चित रूप से वरदान सिद्ध होगी। मध्यप्रदेश में योजना लोकप्रिय हुई है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश इस योजना के क्रियान्वयन में अग्रणी है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रीमंडल ने प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के पुनर्गठन और ऋण अवधि बढ़ाने को मंजूरी दी है। इस योजना का कुल परिव्यय 7,332 करोड़ रुपए है।

योजना में लाभकारी प्रावधान

केंद्रीय मंत्रीमंडल ने बुधवार को प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के पुनर्गठन को मंजूरी देने के साथ ही पुनर्गठित योजना में पहली और दूसरी किस्त में बढ़ी हुई ऋण राशि, दूसरा ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों के लिए यूपीआई-लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड के प्रावधान, खुदरा और थोक लेनदेन के लिए डिजिटल केशबैक प्रोत्साहन को शामिल किया है। अब पहली किस्त 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार और दूसरी किस्त के ऋण को 20 हजार रुपए से बढ़ाकर 25 हजार रुपए कर दिया गया है। तीसरी किस्त 50 हजार रुपए अपरिवर्तित रखी गई है।

पुनर्गठित पीएम स्वनिधि योजना का लक्ष्य एक करोड़ 15 लाख लाभार्थियों को लाभान्वित करना है, जिसमें 50 लाख नए लाभार्थी शामिल हैं। योजना का दायरा वैधानिक कस्बों से आगे बढ़कर जनगणना कस्बों और पेरी-शहरी क्षेत्रों (मिश्रित शहरी और ग्रामीण क्षेत्र) तक श्रेणीबद्ध तरीके से विस्तारित किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले शहरी इलाकों में अधिक छात्र लेते हैं प्राइवेट कोचिंग, केंद्र सरकार ने कराया सर्वे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में शिक्षा के संबंध में केंद्र सरकार की ओर से किए गए कम्प्रिहेंसिव मॉड्यूलर सर्वे (सीएमएस) में यह बात सामने आई है कि लगभग एक-तिहाई स्कूली छात्र प्राइवेट कोचिंग लेते हैं और यह चलन शहरी इलाकों में ज्यादा आम है।

सर्वे में पता चला कि लगभग एक तिहाई छात्र (27.0 प्रतिशत) चालू शैक्षणिक वर्ष के दौरान प्राइवेट कोचिंग ले रहे थे या ले चुके थे। यह प्रवृत्ति ग्रामीण क्षेत्रों (25.5 प्रतिशत) की तुलना में शहरी क्षेत्रों (30.7 प्रतिशत) में अधिक आम थी। सर्वे के लिए कंप्यूटर-बेस्ड पर्सनल इंटरव्यू सीएमएस एजुकेशन सर्वे, नेशनल सैंपल सर्वे (एनएसएस) के 80वें दौर का एक भाग है जो विशेष रूप से स्कूली शिक्षा में वर्तमान में नामांकित छात्रों के घरेलू खर्च पर केंद्रित था।

सर्वे के लिए कंप्यूटर-बेस्ड पर्सनल इंटरव्यू (सीएपीआइ) का उपयोग करके पूरे भारत में 52,085 परिवारों और 57,742 छात्रों से डाटा एकत्र किया गया था।

सर्वे के अनुसार, सरकारी स्कूल पूरे देश में शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और कुल दाखिलों में 55.9 प्रतिशत का योगदान सरकारी स्कूलों का है।

टैरिफ लागू होने से जयपुर के आभूषण निर्यात पर रोक, अमेरिका में धूल फांक रहे गहने

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बुधवार को 50 प्रतिशत टैरिफ लागू होने के बाद जयपुर के आभूषण बाजार में बेहद चिंता की लहर है। जिन गलियों में आभूषणों की खनक सुनाई देती थी, आज वहां खामोशी का दौर है। रत्न और आभूषण पर्यटन के साथ-साथ जयपुर की अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं। आभूषण शहर के लिए विदेशी मुद्रा कमाने का सबसे बड़ा स्रोत है, लेकिन अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाए जाने के साथ, चिंता है कि यह फलता-फूलता उद्योग अपनी चमक खो सकता है।

जयपुर के जौहरी बाजार चिंता में- प्रसिद्ध जौहरी बाजार या आभूषण कारीगरों के बाजार से लेकर, जहां पारंपरिक जौहरी सबसे उत्तम आभूषण, मीनाकारी से सजे कुंदन पोल्की सेट बनाते हैं, गोपाल जी का रास्ता की संकरी घुमावदार गली तक, जहां व्यापारी मोती, गहने, रंगीन रत्न और कीमती पत्थर बेचते हैं, पूरा इलाका चिंता में डूबा हुआ है कि आगे क्या होगा। जेम पैलेस के मालिक सुधीर कासलीवाल का परिवार पीढ़ियों से जयपुर के शाही परिवार के निजी जौहरी रहे हैं।

अब जाग जाओ..., Trump टैरिफ पर पूर्व RBI गवर्नर की सरकार को चेतावनी; दिया ये सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय एक्सपोर्ट पर 50 फीसद टैरिफ लगा दिया है। इसके चलते कपड़ा, हीरा और झींगा कारोबार काफी प्रभावित होगा। अब भारत पर लगे इस टैरिफ को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और मशहूर अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने बेहद चिंताजनक बताया है।

रघुराम राजन ने दी ये चेतावनी- रघुराम राजन ने कहा कि भारत के लिए किसी एक व्यापारिक साझेदार पर अधिक निर्भर रहना ही आपदा के समान है और ये एक बड़ी चेतावनी है।

राजन ने चेतावनी दी कि आज की वैश्विक व्यवस्था में व्यापार, निवेश और वित्त को तेजी से हथियार बनाया जा रहा है और भारत को सावधानी से कदम उठाने चाहिए।

क्या बोले रघुराम राजन- रघुराम राजन ने कहा कि व्यापार अब हथियार बन गया है।

उन्होंने आगे कहा, यह एक चेतावनी है। हमें किसी एक देश पर बहुत अधिक निर्भर नहीं होना चाहिए। हमें पूर्व की ओर, यूरोप की ओर, अफ्रीका की ओर देखना चाहिए और अमेरिका के साथ आगे बढ़ना चाहिए, लेकिन ऐसे सुधारों को लागू करना चाहिए जो हमें अपने युवाओं को रोजगार देने के लिए आवश्यक 8-8.5त्न की विकास दर हासिल करने में मदद करें।

बता दें कि बुधवार को लागू हुए वाशिंगटन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। इसमें भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद से जुड़ा 25 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल है।

गूगल मैप ने ली जान! मैप ने कार सवारों को दिखाया गलत रास्ता, वैन नदी में बही

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में एक वैन को गूगल मैप पर रास्ता देखना भारी पड़ गया। मैप के सहारे यात्रा कर रही वैन तीन साल से बंद पुलिया पर जा पहुंची। पुलिया पार करने के दौरान वैन पुलिया पर मौजूद गड्ढे में फंस गई और बहाव तेज होने की वजह से नदी बह गई। इस वैन में सवार नौ लोगों में से चार लोग नदी में बह गए। तीन लोगों की मौत हो गई और एक बच्चा लापता हो गया।

पुलिस ने बताया कि वैन के चालक ने कथित रूप से 'गूगल मैप' की मदद से यह रास्ता चुना था। वह वैन को उस पुलिया की ओर ले गया जिसे कुछ महीनों से बंद कर दिया गया था। वैन ने उसे पार करने की कोशिश की तो वह तेज बहाव में बह गई।

वैन में एक ही परिवार के लोग थे- पुलिस के मुताबिक, वैन में एक ही परिवार के लोग थे। बनास नदी के तेज बहाव में वैन काफी दूर तक बह गई, जिससे चार लोग डूब गए जबकि पांच लोगों ने वैन की छत पर बैठकर जान बचाई। यह हादसा मंगलवार देर रात लगभग 1ः30 बजे हुआ।

पुलिस के मुताबिक वैन में सवार परिवार भीलवाड़ा जिले में एक धार्मिक स्थल के दर्शन कर घर लौट रहा था। पुलिस ने बताया कि वैन चालक ने रास्ता खोजने के लिए 'गूगल मैप' का इस्तेमाल किया, जो उन्हें बनास नदी पर बने एक ऐसे पुल की ओर ले गया जो लंबे समय से बंद था।

देश के इस राज्य में भूकंप के झटके से सहमे लोग

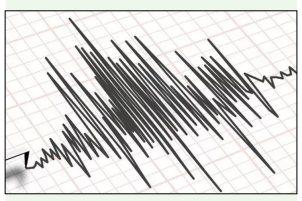

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग जिले में आज सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप सुबह 8.05 बजे आया और इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में एनसीएस ने बताय कि भूकंप की तीव्रता 3.6 मैग्निट्यूड आंकी गई है। भूकंप के बाद किसी जानमाल की हानी की बात सामने नहीं आई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, इससे पहले 23 अगस्त को असम के कार्बी आंगलोंग में 2.7 तीव्रता का भूकंप आया था।

पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात की डेट फाइनल, ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच कब होगी दोनों की मीटिंग?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच मीटिंग की डेट फाइनल हो गई है। दोनों नेता रविवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

जापान की अपनी दो दिवसीय यात्रा के समापन के बाद पीएम मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति शी के निमंत्रण पर चीन में होंगे। माना जा रहा है कि इस द्विपक्षीय वार्ता में ट्रंप टैरिफ पर भी बात होने की संभावना है।

31 अगस्त को दोनों की मुलाकात- एससीओ समिट से इतर दोनों नेताओं की मुलाकात 31 अगस्त को होगी। यह पिछले सात वर्षों में पीएम मोदी की पहली चीन यात्रा होगी और जून 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुए टकराव के बाद पहली यात्रा होगी।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हुई थी आखिरी मुलाकात- दोनों नेताओं ने 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर एक बैठक की थी। भारत और चीन के बीच चार साल से चल रहे सीमा टकराव को समाप्त करने के लिए लगभग 3500 किलोमीटर लंबी एलएसी पर गश्त करने के समझौते के बाद द्विपक्षीय वार्ता में सफलता संभव हुई।

21 अगस्त को भारत में चीन के राजदूत जू फीहोंग ने कहा कि एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए पीएम मोदी की तियानजिन यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों के सुधार और विकास को एक नई गति प्रदान करेगी। इस यात्रा को सफल बनाना बहुत जरूरी है, हमारी ओर से हम इस यात्रा को बहुत महत्व देते हैं।

मानसरोवर यात्रा फिर शुरू करने का स्वागत- प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने पिछले साल कजान में राष्ट्रपति शी के साथ अपनी बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में स्थिर और सकारात्मक प्रगति का स्वागत किया, जो कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने सहित आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता से प्रेरित है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एससीओ शिखर सम्मेलन के निमंत्रण के लिए राष्ट्रपति शी को धन्यवाद दिया और अपनी स्वीकृति व्यक्त की। उन्होंने एससीओ शिखर सम्मेलन की चीन की अध्यक्षता के लिए समर्थन व्यक्त किया और कहा कि वह तियानजिन में राष्ट्रपति शी से मिलने के लिए उत्सुक हैं।

सिर कलम कर दिया जाएगा, ट्रंप समर्थक का कुरान जलाते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेक्सास में 31वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट सीट के लिए चुनाव लड़ रही एक रिपब्लिकन उम्मीदवार ने पवित्र कुरान की एक कॉपी जला दी और राज्य में इस्लाम को खत्म करने की कसम खाई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में, वैलेंटिना गोमेज ने कहा कि उनका लक्ष्य टेक्सास में इस्लाम का अंत करना है। उन्होंने मुसलमानों से राज्य छोड़ने धमकी देते हुए कहा, मुसलमान 57 मुस्लिम देशों में से किसी में भी जा सकते हैं।

ईसाई देशों को धमकाने का लगाया आरोप- कैंपेन स्टाइल के वीडियो में गोमेज ने समुदाय पर हिंसा के जरिए ईसाई देशों को धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों से उनके टारगेट को हासिल करने में मदद करने का आग्रह भी किया। एक्स पर शेयर की गई पोस्ट में उन्होंने लिखा, मुसलमान ईसाई राष्ट्रों पर कब्जा करने के लिए बलात्कार और हत्या कर रहे हैं। हालांकि अब इस पोस्ट को हटा दिया है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया था कि मुझे कांग्रेस तक पहुंचने में मदद करें ताकि आपको कभी भी उनके मूर्खतापूर्ण कदम के आगे झुकना न पड़े। कुरान की कॉपी में लगा दी आग- उन्होंने वीडियो की शुरुआत यह कहते हुए की, अगर हम इस्लाम को हमेशा के लिए खत्म नहीं कर देते, तो तुम्हारी बेटियों का बलात्कार होगा और तुम्हारे बेटों का सिर कलम कर दिया जाएगा। इसके बाद उन्होंने कुरान में आग लगा दी।

गोमेज ने बाद में स्पष्ट किया कि उन्हें कुरान जलाने का कोई पछतावा नहीं है और उन्होंने 7 अक्टूबर को इजरायल में हुए हमलों के लिए इस धार्मिक पवित्र ग्रंथ को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने एक्स पर लिखा, मैं अपने कार्यों पर अडिग हूं और मैं उस किताब के आगे कभी घुटने नहीं टेकूंगी जो 7 अक्टूबर के नरसंहार के लिए जिम्मेदार है, जिसने एबे गेट पर 13 अमेरिकी सैनिकों की जान ले ली और हमारी हत्या का आह्वान करती है।

अगर इंडिया नहीं झुका तो..., टैरिफ वॉर पर अब ट्रंप के सलाहकार ने दी भारत सरकार को धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर टैरिफ बम के बाद दुनियाभर में इसी की चर्चा हो रही है। ट्रंप के इस फैसले का खुद अमेरिकी सांसद ही विरोध कर रहे हैं और इसे अमेरिकियों के हितों के खिलाफ बता रहे हैं। हालांकि, ट्रंप भारत द्वारा रूसी तेल खरीद के खिलाफ टैरिफ लगाने को सही बताते हुए अडिग हैं।

रूसी तेल खरीद के खिलाफ धमकी दी- इस बीच डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष आर्थिक सलाहकार ने भी भारत सरकार को रूसी तेल खरीद के खिलाफ धमकी दी है। अमेरिकी

राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट ने चेतावनी दी है कि अगर भारत रूसी कच्चे तेल के व्यापार पर लगाम लगाने में विफल रहता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति किसी भी तरीके से टैरिफ नहीं हटाने वाले हैं।

केविन हैसेट ने भारत पर लगाए ये आरोप- केविन हैसेट ने भारत सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अमेरिका-भारत की व्यापार वार्ता भी अब जटिल हो गई है और भारत अमेरिकी उत्पादों के लिए अपने बाजार खोलने में अड़ियल रवैया अपना रहा है।

ट्रंप झुकने वालों में नहीं- हैसेट ने आगे कहा कि अगर भारत नहीं झुकेगा, तो मुझे नहीं लगता कि राष्ट्रपति ट्रंप झुकने वालों में से हैं। अमेरिका ने बुधवार को भारतीय वस्तुओं पर शुल्क दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिया, जो ब्राजील के अलावा किसी भी देश के लिए सबसे अधिक है। इसमें भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है।

हैसेट ने कहा कि भारत के साथ व्यापार वार्ता भी जटिल है और दावा किया कि ट्रंप ने टैरिफ केवल इसलिए ही लगाया है कि रूप पर शांति समझौता करने और लाखों लोगों की जान बचाने का दबाव डाला जा सके।

इससे भारत नहीं अमेरिका को ही नुकसान... Tariff पर US के सांसदों ने ही ट्रंप की लगाई क्लास

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने का अब उनके देश में ही खुलकर विरोध हो रहा है। दरअसल, डेमोक्रेट्स के अमेरिकी सदन की विदेश मामलों की समिति ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के भारत को नुकसान पहुंचाने की आलोचना की है।

डेमोक्रेट्स सांसदों की इस समिति ने रूसी तेल खरीद को लेकर भारत को निशाना बनाने को गलत ठहराया है। सांसदों का कहना है कि जहां भारत से रिश्तों में सुधार आ रहा था, तब उसपर टैरिफ लगाया गया, वहीं रूस के सबसे बड़े कच्चे तेल निर्यातकों में से एक चीन पर ऐसा कोई दंड नहीं लगाया गया है। अमेरिकियों को ही हो रहा नुकसान- डेमोक्रेट्स ने कहा कि भारतीय आयात पर ट्रंप द्वारा लगाया गया 50 प्रतिशत टैरिफ अमेरिकियों को नुकसान पहुंचा रहा है और पिछले दो दशकों से भारत और अमेरिका के रिश्तों में जो सुधार आया था, उसको भी बड़ा नुकसान पहुंचा है। चीन या अन्य देशों द्वारा बड़ी मात्रा में रूसी तेल खरीदने पर प्रतिबंध लगाने के बजाय, ट्रंप टैरिफ लगाकर भारत को निशाना बना रहे हैं, जिससे अमेरिकियों को नुकसान पहुंच रहा है और इस प्रक्रिया में अमेरिका-भारत संबंध खराब हो रहे हैं।

इंजीनियर और पायलट के बीच 50 मिनट की बातचीत, फिर जमीन पर गिरकर क्रैश हुआ फाइटर जेट F-35

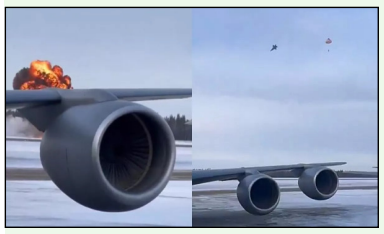

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी वायु सेना के एक स्न-35 पायलट को विमान में आई गंभीर खराबी को ठीक करने के लिए इंजीनियरों के साथ हवा में 50 मिनट तक कॉन्फ्रेंस कॉल करने के बाद विमान से बाहर निकलने (इजेक्ट) के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद विमान अलास्का के रनवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

हादसे की वजह थी जेट के हाइड्रोलिक सिस्टम में बर्फ जम जाना। इस वजह से विमान का लैंडिंग गियर जाम हो गया। पायलट ने उड़ान भरते ही गियर को वापस लेने की कोशिश की, मगर गियर बायीं तरफ अटक गया। जब गियर को दोबारा नीचे करने की कोशिश की, तो वह पूरी तरह जाम हो गया। जेट सेंसर को लगा कि विमान जमीन पर लैंड कर चुका है, जिसके बाद जेट बेकाबू हो गया।

हवा में इंजीनियरों से सलाह-मशविरा- पायलट ने हवा में ही लॉकहीड मार्टिन के पांच इंजीनियरों के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल शुरू की। करीब 50 मिनट तक वह खराबी को ठीक करने की जुगत में लगे रहे।

इस दौरान पायलट ने दो बार टच एंड गो लैंडिंग की कोशिश की, ताकि आगे वाले जाम गियर को सीधा किया जा सके, मगर दोनों बार नाकामयाबी हाथ लगी।

अखाड़ा बनी मेक्सिको की संसद, स्पीकर और विपक्षी सांसदों के बीच जमकर हाथापाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेक्सिको की सीनेट में बुधवार को उस वक्त हंगामा मच गया, जब एक जोरदार बहस के बाद विपक्षी नेता ने सीनेट अध्यक्ष को पकड़कर धक्का-मुक्की शुरू कर दी।

यह सब उस वक्त हुआ, जब सीनेट की कार्यवाही खत्म होने के बाद सांसद राष्ट्रगान गा रहे थे। यह नजारा इतना हैरान करने वाला था कि लाइव स्ट्रीम में पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे सीनेट में कुर्सियां छोड़कर मुक्के चलने लगे।

स्पीकर पर बोला हमला- विपक्षी इंस्टीट्यूशनल रिवॉल्यूशनरी पार्टी के नेता अलेजांद्रो अलिटो मोरेनो ने सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी के सीनेट अध्यक्ष गेरार्डो फर्नांडीज नोरोना पर हमला बोल दिया। मोरेनो बार-बार कह रहे थे, मुझे बोलने दो÷ और उन्होंने नोरोना का हाथ पकड़ लिया।

नोरोना ने जवाब में कहा, मुझे छूना मत, लेकिन बात यहीं नहीं रुकी। दोनों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिसमें मोरेनो ने एक फोटोग्राफर को भी गिरा दिया।

क्यों भड़क गई संसद- यह हंगामा एक चर्चा के बाद शुरू हुआ। इसमें मेक्सिको में विदेशी सशस्त्र बलों की मौजूदगी पर तीखी चर्चा हुई थी। नोरोना ने बाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मोरेनो ने उन्हें धक्का दिया, छेड़ा और गाली-गलौज की।

नोरोना के मुताबिक, मोरेनो ने कहा, मैं तुझे मार डालूंगा। इस दौरान एक और सांसद ने भी नोरोना पर मुक्का चलाने की कोशिश की, जब वह पीछे हट रहे थे।

रूस ने कीव में की मिसाइलों की बौछार, यूरोपीय यूनियन की बिल्डिंग को भारी नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कीव में रूस की ओर से किए गए ताजा हमले में यूरोपीय यूनियन (ईयू) के प्रतिनिधिमंडल भवन को भारी नुकसान हुआ है। इस बात की जानकारी यूरो न्यूज ने यूक्रेन में यूरोपीय यूनियन की राजदूत माथेरनोवा के हवाले से दी है।

यूरो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने बुधवार रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों की बौछार कर दी, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों घायल हुए हैं। वहीं, प्रतिनिधिमंडल भवन पर हुए हमले में किसी के हताहत होने की

सूचना नहीं है।

हमले से भयभीत हूं- राजदूत कैटरीना माथेरनोवा ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे शांति प्रयासों के प्रति मास्को का सच्चा जवाब बताया। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने कहा कि वह इस हमले से भयभीत हैं और उन्होंने यूक्रेनी लोगों और यूरोपीय संघ के कर्मचारियों के प्रति समर्थन व्यक्त किया।

कोस्टा ने कहा, यूरोपीय संघ डरेगा नहीं। रूस की आक्रामकता यूक्रेन और उसके लोगों के साथ खड़े होने के हमारे संकल्प को और मजबूत करती है। यूरोपीय विस्तार आयुक्त मार्टा कोस ने भी हमले के लिए रूस की आलोचना की और यूरोपीय संघ के कर्मचारियों और यूक्रेनवासियों के प्रति एकजुटता व्यक्त की।

पहले सोशल मीडिया पर पति को दिया तलाक, अब रैपर से की सगाई; कौन हैं दुबई की खूबसूरत शहजादी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई की शहजादी शेखा महरा मोहम्मद राशिद अल मकतूम ने एक बार फिर सुर्खियां बटोर ली हैं। उन्होंने पहले इंस्टाग्राम पर अपने पति को तलाक का ऐलान करके सबको चौंकाया और अब मशहूर रैपर फ्रेंच मॉन्टाना के साथ सगाई की खबर ने हलचल मचा दी है।

31 साल की शहजादी और 40 साल के रैपर ने जून 2025 में पेरिस फैशन वीक के दौरान सगाई कर ली है। ये जोड़ी पिछले साल से एक-दूसरे के साथ वक्त गुजार रही है और अब इनकी मोहब्बत दुनिया के सामने आ चुकी है।

शहजादी महरा और फ्रेंच मॉन्टाना की मुलाकात 2024 के आखिर में हुई जब महरा ने उन्हें दुबई की सैर कराई और सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कीं। इसके बाद दोनों को दुबई और मोरक्को में एक साथ देखा गया। कभी हसीन रेस्तरां में खाना खाते, कभी मस्जिदों की जाते, तो कभी पेरिस के मशहूर पॉन्ट डेस आर्ट्स पुल पर टहलते हुए। इस साल की शुरुआत में पेरिस के फैशन इवेंट्स में दोनों ने हाथों में हाथ डाले सबके सामने अपनी मोहब्बत का इजहार किया था।

शहजादी महरा की जिंदगी में ये नया अध्याय तब शुरू हुआ, जब उन्होंने अपने पहले पति शेख माना बिन मोहम्मद बिन राशिद बिन माना अल मकतूम से तलाक लिया।

बाबा रामदेव ने टैरिफ को ट्रंप की राजनीतिक धौंस बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर भारी भरकम टैरिफ की हर कोई आलोचना कर रहा है। यहां तक की खुद अमेरिकी सांसद भी इसे गलत बता रहे हैं और इसके कारण दोनों देशों के रिश्तों में दूरी आने की चेतावनी दे रहे हैं। अब ट्रंप टैरिफ पर योग गुरु रामदेव का बयान सामने आया है। उन्होंने भारतीय नागरिकों से अपील करते हुए एक सुझाव दिया है, जिसे उन्होंने टैरिफ का तोड़ बताया।

बाबा रामदेव ने दिया ये सुझाव- बाबा रामदेव ने भारतीयों से अमेरिकी कंपनियों और ब्रांडों का बहिष्कार करने का आग्रह किया है। उन्होंने अमेरिका के इस कदम को राजनीतिक धौंस, गुंडागर्दी और तानाशाही करार दिया है।

रामदेव ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा, भारतीय नागरिकों को अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50त्न टैरिफ का कड़ा विरोध करना चाहिए, क्योंकि यह राजनीतिक धौंस, गुंडागर्दी और तानाशाही है। अमेरिकी कंपनियों और ब्रांडों का पूरी तरह से बहिष्कार किया जाना चाहिए।

पेप्सी, कोका-कोला के काउंटर पर कोई न जाए- बाबा रामदेव ने आगे कहा, पेप्सी, कोका-कोला, सबवे, केएफसी या मैकडॉनल्ड्स के काउंटरों पर एक भी भारतीय नहीं दिखना चाहिए। इसका व्यापक बहिष्कार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ, तो अमेरिका में अराजकता फैल जाएगी। अमेरिका में मुद्रास्फीति इस हद तक बढ़ जाएगी कि खुद ट्रंप को भी ये टैरिफ वापस लेने पड़ सकते हैं, ट्रंप ने भारत के खिलाफ जाकर एक बड़ी भूल की है।

देश के हर हिस्से में पहुंची PNG, विभिन्न राज्यों में प्राकृतिक गैस की कीमत में अंतर इसके विस्तार में बड़ी बाधा

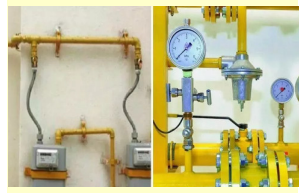

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वीपीय इलाकों को छोड़ दें तो देश के 34 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लगभग 784 जिलों में (100 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र) में पाइप्ड नेचुरल गैस (एनजी) पहुंच गई है।

पीएनजी कनेक्शनों की संख्या 12 करोड़ करने लक्ष्य- पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने कहा है कि उसने 2034 तक 12.63 करोड़ पीएनजी घरेलू कनेक्शन, 18,336 सीएनजी स्टेशन और 5.46 लाख किलोमीटर पाइप्ड गैस कनेक्शन का लक्ष्य निर्धारित किया है।

बोर्ड ने कहा, लक्ष्य प्राप्त करने के लिए, राज्यों और संस्थाओं के बीच एक मजबूत और समन्वित तालमेल अनिवार्य है।

कई नीतिगत और नियामक उपाय किए- बोर्ड ने कहा कि सरकार ने इस क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए कई नीतिगत और नियामक उपाय किए हैं। इन उपायों में प्रशासित मूल्य पर घरेलू गैस आवंटित करना और आपूर्ति तंत्र को आसान बनाना, सरकारी और रक्षा आवासीय परिसरों में पीएनजी (पाइप्ड प्राकृतिक गैस) प्रावधान अनिवार्य करने के साथ ही सीपीडब्ल्यूडी और एनबीसीसी को सभी सरकारी आवासीय परिसरों में पीएनजी प्रावधान शामिल करने का निर्देश देना शामिल है।

सफेद शर्ट, काली पैंट और कंधे पर हरी शॉल... हैदराबाद में गणेश प्रतिमा का रेवंत रेड्डी वाला लुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणेश चतुर्थी पर देशभर में धूम देखने को मिली। मुंबई से लेकर दिल्ली तक के लोगों में गजब का उत्साह देखने को मिला। ऐसा ही नजारा तेलंगाना में भी देखने को मिला।

दरअसल, मछुआरा सहकारी समिति संघ के अध्यक्ष और कांग्रेस नेता मेट्टू साई कुमार ने हैदराबाद में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की शैली में गणेश प्रतिमा स्थापित की है। जिसको देखकर हर कोई रिएक्ट कर रहा है।

तेलंगाना राइजिंग थीम वाली इस प्रतिमा में गणेश जी को मुख्यमंत्री से जुड़ी पोशाक में दिखाया गया है - सफेद शर्ट, काली पतलून और कंधे पर हरे रंग का शॉल। ऐसी से पोशाक सीएम रेवंत रेड्डी ने पदयात्रा के दौरान पहनी थी, जिसकी तस्वीर खूब वायरल हुई थी।

गणेश जी तेलंगाना की प्रगति करेंगे- मेट्टू साई कुमार ने आगे कहा कि गणेश जी को विघ्नराज के रूप में जाना जाता है, जो विघ्नों को दूर करने वाले हैं। उनके आशीर्वाद से तेलंगाना प्रगति करेगा और आगे बढ़ेगा। हमारा परिवार इसका हिस्सा रहा है और हमने मुख्यमंत्री की विचारधारा और तस्वीर के साथ एक गणेश प्रतिमा बनाई है।

जब तक मैं जिंदा हूं, ऐसा नहीं होने दूंगी..., CM ममता बनर्जी ने वोट चोरी को लेकर भाजपा पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने देंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा बंगालियों पर भाषाई आतंक फैला रही है।

कोलकाता में टीएमसी की छात्र शाखा की एक रैली को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने के उद्देश्य से सर्वेक्षण करने के लिए देश भर से 500 से ज्यादा टीमें पश्चिम बंगाल में तैनात की हैं।

सीएम ममता ने रैली में कहा, आपको खुद जांच करनी चाहिए कि आपका नाम अभी भी मतदाता सूची में है या कट गया है... आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आपके पास आधार कार्ड हैं।

जब तक जिंदा हूं- ममता ने आगे कहा कि जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है।

उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग हमारे अधिकारियों को धमका रहा है। इसका अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान तीन महीनों के लिए है, पूरे साल के लिए नहीं।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों की भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। ममता ने कहा कि अगर बंगाली भाषा ही नहीं है, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस भाषा में लिखे गए हैं? वे चाहते हैं कि लोग स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों की ऐतिहासिक भूमिका को भूल जाएं। हम इस भाषाई आतंक को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

ममता ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि उनकी सरकार ने कई सामाजिक कल्याणकारी पहल की हैं, वहीं केंद्र सरकार विकास के नाम पर भ्रष्टाचार में लिप्त है। सीएम ने कहा कि हम महिलाओं के लिए लक्ष्मी भंडार योजना लेकर आए हैं, जबकि भाजपा के पास भ्रष्टाचार भंडार और भाई-भतीजावाद है।

भारी बारिश और लैंडस्लाइड से जम्मू-हिमाचल को तगड़ा नुकसान, हाईवे बंद होने से फलों-सब्जियों के हजारों ट्रक फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार का मानसून कहर बनकर बरस रहा है। पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। यातायात ठप पड़े हैं। मौसम विभाग का भी कहना है कि उत्तर भारत और पहाड़ों में अभी बारिश का दौर जारी रहेगा।

जम्मू के वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भारी बारिश के चलते लैंडस्लाइड होने से 35 लोगों की मौत भी हो गई है।

दिल्ली-एनसीआर, यूपी, बिहार, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में तबाही मचाने के बाद भी बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है।

भूस्खलन को लेकर आज भी अलर्ट- पहाड़ी इलाकों में लगातार कई दिनों से बारिश हो रही है। इसके कारण जम्मू जैसे इलाके में भूस्खलन और रास्ते बंद होने को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

हालांकि, बारिश के कारण थोड़ा तापमान भी कम होने की संभावना है।

चंडीगढ़-कुल्लू हाईवे पर महाजाम- भूस्खलन की सबसे ज्यादा मार कुल्लू झेल रहा है। यहां चंडीगढ़-कुल्लू हाईवे पर लैंडस्लाइड होने से हजारों ट्रक फंस गए हैं, जिसके चलते सेब, टमाटर और अन्य सब्जियां पूरी खराब होती जा रही है। यहां छोटी गाड़ियों के लिए रास्ता तो खोला गया है, लेकिन हजारों ट्रक अभी भी फंसे हुए हैं।

हिमाचल प्रदेश में 534 सड़कें बंद, 310 की मौत - हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण 534 सड़कों को बंद करना पड़ा है। जबकि 1,184 बिजली वितरण ट्रांसफार्मर बाधित हुए हैं। एसडीएमए ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन, अचानक आई बाढ़ और मकान ढहने से राज्य भर में मरने वालों की संख्या बढ़कर 310 हो गई है।

कुल्लू-मंडी का बुरा हाल- कुल्लू में सबसे ज्यादा सड़कें क्षतिग्रस्त हुईं, जहां एक राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 166 सड़कें बंद हैं। इसके बाद मंडी में 216 सड़कें बंद हुईं। कुल्लू (600 ट्रांसफार्मर बाधित) और मंडी (320 ट्रांसफार्मर) में बिजली कटौती सबसे ज़्यादा रही, जबकि कांगड़ा में पानी की आपूर्ति पर सबसे बुरा असर पड़ा।

इंटर रिलीजन लैंड ट्रांसफर के लिए असम सरकार ने स्ह्वक्क को दी मंजूरी, सीएम हिमंता बोले- हर रिकॉर्ड की होगी जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अंतर-धर्मी जमीन हस्तांतरण के लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है।

यह फैसला असम जैसे संवेदनशील राज्य में जमीन के हस्तांतरण को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि अब हर अंतर-धर्मी जमीन हस्तांतरण की जांच सरकार करेगी। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि ऐसी कोई डील न हो जो सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाए या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बने।

इस SOP के तहत, जमीन हस्तांतरण की हर प्रक्रिया को कड़े नियमों और जांच के दायरे में लाया जाएगा। यह कदम खासतौर पर स्थानीय आदिवासी समुदायों की जमीन को अवैध कब्जे से बचाने के लिए उठाया गया है।

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि असम में जमीन ट्रांसफर एक संवेदनशील मसला है। इसीलिए सरकार ने यह तय किया है कि अंतर-धर्मी जमीन हस्तांतरण के हर प्रस्ताव को पहले सरकार के पास आना होगा। इसकी जांच होगी कि खरीदार के पास पैसे का स्रोत क्या है, क्या यह हस्तांतरण स्थानीय सामाजिक ढांचे को प्रभावित करेगा, और क्या इसमें कोई राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा तो नहीं।

इस SOP का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जमीन का हस्तांतरण पूरी तरह से वैध हो और इसमें कोई धोखाधड़ी, दबाव या गैरकानूनी गतिविधि शामिल न हो। खासकर, यह कदम आदिवासी समुदायों की जमीन को अवैध कब्जे से बचाने के लिए उठाया गया है, जो असम में एक बड़ा मुद्दा रहा है।

जमीन ट्रांसफर की प्रक्रिया क्या होगी- नई SOP के तहत, अंतर-धर्मी जमीन हस्तांतरण का प्रस्ताव सबसे पहले जिले के डिप्टी कमिश्नर के पास जमा होगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

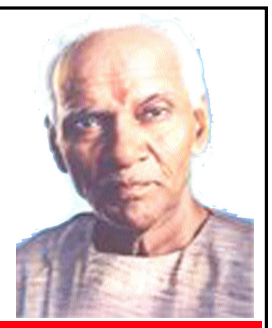

विक्रम संवत 2079 शुक्ल षष्ठमी

संपादकीय

अधूरे सपनों का सच और न्याय की पुकार

28 अगस्त 2014, भारतीय पुलिस सेवा के इतिहास का एक ऐसा दिन था जिसने हर संवेदनशील नागरिक के हृदय को झकझोर कर रख दिया। इसी दिन देश ने एक होनहार, मेधावी और जांबाज़ अधिकारी आईपीएस मनुमुक्त मानव को खो दिया। मात्र 31 वर्ष 9 माह की अल्पायु में, नेशनल पुलिस अकादमी हैदराबाद, तेलंगाना में उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु ने न केवल उनके परिवार को बल्कि पूरे राष्ट्र को हतप्रभ कर दिया। यह कोई सामान्य घटना नहीं थी, बल्कि भारतीय पुलिस सेवा जैसी प्रतिष्ठित संस्था के इतिहास में घटित होने वाली सबसे बड़ी और विचलित कर देने वाली दुर्घटना थी। प्रश्न यह उठता है कि आखिर ऐसी सर्वोच्च सुरक्षा व्यवस्था के बीच एक अधिकारी इस तरह कैसे मौत का शिकार हो सकता है और क्यों अब तक इस रहस्य से पर्दा नहीं उठाया गया।

मनुमुक्त मानव की असामयिक मृत्यु के बाद आधी रात को उनका शव नेशनल पुलिस अकादमी के स्विमिंग पूल से बरामद हुआ। यह तथ्य अपने आप में सैकड़ों सवाल खड़े करता है। क्या यह एक हादसा था या कुछ और? जब उनके शव के पास ही ऑफिसर्स क्लब में विदाई पार्टी चल रही थी, तो वहां मौजूद लोगों ने कुछ देखा या सुना क्यों नहीं? पुलिस अकादमी जैसी सख्त अनुशासन वाली संस्था में यह घटना कैसे घटित हुई और क्यों इसकी निष्पक्ष और पारदर्शी जांच आज तक नहीं हो पाई? घटना को अब बारह साल बीत चुके हैं, परंतु सच्चाई आज भी अंधेरे में दफन है। यही स्थिति पूरे पुलिस तंत्र और न्याय व्यवस्था पर गहरा प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।

मनुमुक्त मानव किसी साधारण अधिकारी का नाम नहीं था। वे 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी थे और हिमाचल कैडर से जुड़े थे। उनका जन्म 23 नवंबर 1983 को हरियाणा के हिसार में हुआ। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले इस युवा अधिकारी ने कम उम्र में ही असाधारण उपलब्धियाँ अर्जित कर ली थीं। एनसीसी का सी सर्टिफिकेट प्राप्त करना, छात्र जीवन से ही अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का परिचय देना और प्रतिभा के दम पर आईपीएस तक पहुँचना उनके उज्ज्वल भविष्य का संकेत था। वे केवल एक अधिकारी ही नहीं बल्कि चिंतक, कलाकार और फोटोग्राफर भी थे। उनकी सेल्फ़ी लेने की कला और रचनात्मक दृष्टिकोण ने उन्हें उनके दोस्तों और सहकर्मियों के बीच विशेष पहचान दिलाई।

मनुमुक्त मानव के सपने बेहद बड़े और दूरगामी थे। वे अपने गाँव तिभरा में अपने दादा-दादी की स्मृति में एक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करना चाहते थे। इसके अतिरिक्त वे नारनौल में एक सिविल सर्विस अकादमी बनाने का विचार रखते थे ताकि गाँव और कस्बों से निकलने वाले युवाओं को भी सिविल सेवा की तैयारी का अवसर मिल सके। समाज सेवा के लिए उनके भीतर गहरी संवेदनशीलता और बड़ा दृष्टिकोण था। वे केवल अपने कैरियर और पद की ऊँचाइयों के बारे में नहीं सोचते थे बल्कि समाज को लौटाने के लिए लगातार योजनाएँ बनाते रहते थे। मगर उनकी असामयिक और संदिग्ध मृत्यु ने उन सभी सपनों को अधूरा छोड़ दिया।

एकमात्र बेटे की असामयिक मृत्यु ने उनके माता-पिता को गहरे शोक में डुबो दिया। उनके पिता डॉ. रामनिवास मानव देश के प्रसिद्ध साहित्यकार और शिक्षाविद् हैं, जबकि माँ डॉ. कांता अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका रही हैं। किसी भी माता-पिता के लिए यह सबसे बड़ा दुःख है कि वे अपने जवान बेटे को खो दें।

बनारसी दास गुप्ता

बनारसी दास गुप्ता हरियाणा राज्य के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी होते हुए सामाजिक, राजनीतिक एवं सार्वजनिक जीवन को अपने अंदाज़ में जिया। बनारसी दास गुप्ता हिन्दी भाषा के पक्षधर और यथार्थवादी आदर्श जननायक थे। उन्होंने राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को मजबूत बनाकर हरियाणा की प्रगति में अपना बहुमूल्य योगदान दिया था।

परिचय

बनारसी दास गुप्ता का जन्म 5 नवम्बर, 1917 ई. में हरियाणा के भिवानी नामक स्थान पर हुआ था। उन्होंने बिड़ला कॉलेज, पिलानी में शिक्षा प्राप्त की थी। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और पण्डित जवाहरलाल नेहरू के प्रभाव से वे देशी रियासतों की दमनकारी नीति का विरोध करने के लिए प्रजामंडल आंदोलन में भाग लेने लगे थे। बनारसी दास गुप्ता जी की गतिविधियां देखकर जींद रियासत में उन्हें 1941 ई. में गिरफ्तार करके फरीदकोट जेल में बंद कर दिया था। भारत छोड़ो आंदोलन में भी बनारसी दास गुप्ता ने भाग लिया और 1942 से 1944 ई. तक जेल में बंद रहे।

आंदोलन

आज़ादी के पश्चात् ही बनारसी दास ने जींद को भारत में शामिल करने के लिए आंदोलन प्रारम्भ कर दिये थे और वहां समानंतर सरकार बनाई। तत्कालीन गृहमंत्री सरदार पटेल द्वारा जींद को पंजाब में सम्मिलित करने के समझौते के बाद ही यह आंदोलन समाप्त हुआ था।

राजनीतिक जीवन

1968 के मध्यावधि चुनावों में भिवानी विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए। 1972 में फिर से विधायक बने एवं सर्वसम्मति से विधान सभा के अध्यक्ष चुने गए। गुप्ता जी बिजली एवं सिंचाई, कृषि, स्वास्थ्य आदि विभिन्न विभागों के मंत्री रहे। 1975 में इन्हें हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया गया। 1987 में एक बार फिर भिवानी से विधायक बने और उप-मुख्यमंत्री चुने गए। 1989 में एक बार फिर हरियाणा के उपमुख्यमंत्री रहे। सितम्बर 1990 में आप पर एक जानलेवा हमला भी हुआ था। 1996 में आप राज्य सभा के लिये चुने गए थे।

पत्रकार तथा लेखक

बनारसी दास जी द्वारा अनेक धार्मिक संस्थाओं की स्थापना की गई। आप अस्पृश्यता के घोर विरोधी थे। आपके योग प्रेम एवं प्रकृति प्रेम के फलस्वरूप ही भिवानी में प्राकृतिक चिकित्सालय की स्थापना हुई। आपके सहयोग से भिवानी में कई शैक्षणिक संस्थाएं अस्तित्व में आई। एक जननेता, समाजसेवी और शिक्षाविद होने के साथ ही आपका एक रूप पत्रकार का भी रहा, जिसे बहुत कम लोग जानते हैं। आप कई वर्षों तक साप्ताहिक अपना देश, हरियाणा केसरी तथा हरियाणा कांग्रेस पत्रिका के सम्पादक रहे। 'पंचायती राज क्यों और केसे' के नाम से आपने एक पुस्तक लिखी थी, जो बहुत लोकप्रिय हुई। विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से भी आप जुड़े रहे। आपकी अध्यक्षता में हरियाणा प्रदेश साहित्य समिति ने कई ऊल्लेखनीय कार्य किये।

ये हैं भारत के टॉप मुनाफा देने वाले बिजनेस, अपनी तरक्की के लिए ऐसे कर सकते हैं शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में बिजनेस शुरू करके उसमे बने रहना आसान नहीं है। बिजनेस शुरू करने के लिए आपको कई चीजों की जरूरत होती है। लेकिन बहुत से लोग आइडिया की कमी के चलते खुद का बिजनेस नहीं शुरू कर पाते। अगर आप भी Idea की कमी से जूझ रहे हैं और खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसे टॉप 3 बिजनेस आईडिया बताएंगे तो आपको तगड़ा मुनाफा दे सकते हैं।

क्लाउड किचन आपके लिए एक बेहतर बिजनेस Idea हो सकता है। भागदौड़ भरी Life में खासकर शहरी इलाकों में, खाना पकाने के लिए बहुत कम समय बचा पाता है। भारत में, बैंगलोर, मुंबई, पुणे आदि शहरों में क्लाउड किचन बहुत ही लोकप्रिय हो रहे हैं। आप अपने घर पर ही इसे शुरू कर सकते हैं। स्विगी और जोमैटो जैसे प्लेटफॉर्म से जुड़कर अपने ग्राहकों तक खाना पहुंचा सकते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि क्लाउड किचन एक बेहद मुनाफे वाला व्यवसाय है, जिसमें बहुत कम निवेश की जरूरत होती है। अगर आपका व्यवसाय फल-फूल रहा है, तो आप इसे रेस्टोरेंट में भी बदल सकते हैं।

ई-कॉमर्स स्टोर - आज के समय में लोग जमकर ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं। ऐसे में आप आपना ई-कॉमर्स स्टोर भी खोल सकते हैं। खुद को अमेजन या फिर फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर करें और कपड़े, गैजेट, किताबों से लेकर बहुत कुछ बेच सकते हैं। आपको जो सामान बेचना है वह सामान किसी डीलर से लीजिए और फिर इन प्लेटफॉर्म पर बेचने के लिए उन्हें लिस्ट कर दें।

ऑर्गेनिक फार्मिंग - आज के समय में ऑर्गेनिक फॉर्मिंग बहुत ही जबरदस्त बिजनेस के रूप में उभर रही हैं। बहुत से नवयुवा इस बिजनेस में घुसकर बड़ा नाम कमा रहे हैं। ऑर्गेनिक फार्मिंग करने के लिए आपको बस कुछ बीघे जमीन की जरूरत होती है। आप जैविक खेती करके मोटा पैसा कमा सकते हैं। अलग-अलग फसल या फिर सब्जियों को उगाकर उसे मार्केट और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेच सकते हैं। इसके लिए सरकार भी कई प्रकार की योजनाओं के जरिए आर्थिक मदद मुहैया कराती है।

कौन हैं सृष्टि-दिवा, जिन पर गौतम अदाणी ने जताया भरोसा, ग्रुप में संभाल रहीं ये बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अरबपति गौतम अदाणी अपने समूह में ज्यादा महिलाओं को शामिल कर रहे हैं। इन महिलाओं को कहीं और से नहीं बल्कि परिवार के सदस्यों को ही शामिल किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अदाणी परिवार से कम से कम दो महिलाओं को अदाणी समूह की कंपनियों में नेतृत्व की भूमिकाएँ संभालने का मौका मिला है।

इसमें पहला नाम अरबपति के भतीजे सागर अदाणी की पत्नी सृष्टि अदाणी का शामिल है, जिन्हें अदाणी समूह की हवाई अड्डा यूनिट के तहत अदाणी डिजिटल लैब्स में डिजिटल पहलों का नेतृत्व करने का काम सौंपा गया है। सृष्टी के नेटवर्थ की जानकारी नहीं है। वहीं दूसरा नाम बहू दिवा अदाणी का है जिन्हें अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड में गैर-हवाई व्यापार रणनीतियों की प्रभारी होंगी।

मीडिया रिपोर्ट्स मुताबिक दिवा, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में अदाणी के सबसे छोटे बेटे जीत अदाणी से शादी की थी, हवाईअड्डा प्रबंधन में ग्राहकों पर फोकस और उसे बढ़ाने में मदद करेंगी। ये नियुक्तियाँ समूह के महिलाओं के योगदान 12.5% से बढ़ाने के रूप में है। जिसमें कम से कम पाँचवाँ हिस्सा बोर्ड में शामिल करने के लक्ष्य के तहत है। फिर भी, परिवार के सदस्यों को नेतृत्वकारी भूमिकाओं में नियुक्त करना इस बात की ओर इशारा करता है कि भारतीय समूह संस्थापक परिवार के भीतर ही नियंत्रण बनाए रखने को प्राथमिकता देते रहे हैं।

1 सितंबर से चांदी में लगेगा हॉलमार्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले महीने यानी 1 सितंबर से कई बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। इन बदलावों में चांदी भी शामिल है। 1 सितंबर से चांदी में हॉलमार्क लगाना शुरू हो जाएगा। अभी इसे लेकर सोने में लगने वाले हॉलमार्क की तरह अनिवार्य नहीं किया है।

लेकिन इसकी शुरुआत होने वाली है। कई लोगों के मन में ये सवाल है कि हॉलमार्क नियम आने से क्या चांदी महंगा हो जाएगा। लेकिन इससे पहले जानते हैं कि चांदी की शुद्धता कैसे पहचानी जा सकती है। इसे लेकर भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा 6 स्टैंडर्ड मानक तैयार किए गए है।

990 नंबर- ये चांदी की सबसे शुद्ध कैटेगरी होने वाली है। 990 नंबर का अर्थ है कि चांदी में 99 फीसदी चांदी का इस्तेमाल हुआ है। वहीं 1 फीसदी अन्य धातुओं का उपयोग किया है।

970 नंबर- इस तरह से 970 नंबर, 97 फीसदी शुद्धता दर्शाता है। 97 फीसदी चांदी विशेष गहने और चांदी के बर्तन में किया जाता है।

920 नंबर से लेकर 800 नंबर तक

इस तरह से 920 नंबर, 92 फीसदी,

900 नंबर, 90 फीसदी

और 835 नंबर, 83.5 फीसदी

800 नंबर, 80 फीसदी दर्शाता है।

अब जानते हैं कि क्या हॉलमार्क आने से कीमतों में कोई प्रभाव पड़ेगा या नहीं?

1 सितंबर से क्या चांदी की कीमत बढ़ेगी- आपको बता दें कि चांदी में हॉलमार्क आने से कीमत में कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हॉलमार्क ग्राहकों को चांदी की शुद्धता पहचानने में मदद करेगा। इससे दुकानदार और ग्राहकों के बीच एक ट्रांसपेरेंसी बनी रहेगी।

IBJA में दोपहर 12 बजे 1 किलो चांदी का भाव 115870 रुपये दर्ज किया गया है। वहीं सुबह के लिए 1 किलो चांदी की कीमत 116525 रुपये दी गई है। चांदी की कीमत में कल 27 अगस्त को बड़ी बढ़ोतरी देखी गई थी। कल चांदी ने अपना नया रिकॉर्ड बनाया था।

50% टैरिफ के खिलाफ सरकार ने चला ट्रंप कार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से अमेरिका आयात होने वाले सामानों पर 50 फीसदी टैरिफ से, खासकर कुछ इंडस्ट्रीज को काफी नुकसान की संभावनाएं जताई जा रही हैं। लेकिन, फिच सॉल्यूशंस कंपनी बीएमआई ने कहा कि आगामी जीएसटी रिफॉर्म, जिसका उद्देश्य टैक्स दरों में कटौती करना और निजी उपभोग को बढ़ावा देना है, सरकार का यह फैसला अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम कर सकता है। जोखिम और उद्योग विश्लेषण करने वाली कंपनी बीएमआई ने यह भी कहा कि भारत इस दशक में एशिया में सबसे तेजी से बढ़ती उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा।

बीएमआई के नोट के अनुसार, भारत की लक्ष्य 6 प्रतिशत से ऊपर रहने का अनुमान है, भले ही अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ कुछ उद्योगों को प्रभावित करें, तब भी इकोनॉमी पर ज्यादा असर नहीं होगा। बीएमआई ने कहा, हमारा अनुमान है कि इस दशक के अंत तक भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.0 प्रतिशत से कुछ ऊपर आ जाएगी, जो 2010-2019 के महामारी-पूर्व औसत 6.5 प्रतिशत से थोड़ा कम है।

बीएमआई ने अपनी रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आने वाले दशक में उत्पादकता में लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जिससे जीडीपी ग्रोथ को पर्याप्त गति मिलेगी। बीएमआई ने रिपोर्ट में कहा, हमने पहले अनुमान लगाया था कि रेसिप्रोकल टैरिफ में 25 प्रतिशत की वृद्धि से वित्त वर्ष 2025/26 (अप्रैल-मार्च) और वित्त वर्ष 2026/27 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 0.2 प्रतिशत और धीमी हो जाएगी।

छोटे कारोबारी कहां-कहां बेच सकते हैं अपना सामान, ये हैं बेस्ट ऑनलाइन पोर्टल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लघु एवं मध्यम उद्यम या एमएसएमई भारत की जीडीपी में बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। एमएसएमई भारत में करोड़ों लोगों को रोजगार भी देते हैं। फिर भी स्नङ्क25 में 35000 से अधिक एमएसएमई यूनिट्स बंद हुईं। इसकी बड़ी वजह है सेल्स में गिरावट। इस स्थिति में एमएसएमई वेंचर्स के मालिकों को पता होना चाहिए कि वे अपने प्रोडक्ट्स कहां बेच सकते हैं। यहां हम आपको ऐसे ही ऑनलाइन पोर्टल्स की जानकारी दें।

क्या-क्या हैं ऑप्शन- छोटे कारोबारी अमेजन बिजनेस और एमएसएमई मार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अपना सामान बेच सकते हैं। वहीं GeM पोर्टल जैसे सरकारी इनिशिएटिव्स में भाग ले सकते हैं।

उनके पास TReDS जैसे BwB प्लेटफॉर्म का लाभ उठाने का भी मौका है और अपनी पहुँच बढ़ाने और NSIC जैसे सरकारी संगठन के जरिए भी खरीदारों से जुड़ने और अपने बिक्री चैनल का विस्तार करने का अवसर है।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म- एमएसएमई अपने प्रोडक्ट्स को लिस्ट करने और बड़े ग्राहक आधार तक एक्सेस हासिल करने के लिए ऑनलाइन रिटेल और बी2बी प्लेटफॉर्म जैसे अमेजन बिजनेस पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

GeM पोर्टल एक सरकारी पहल है जो MSMEs को सरकारी विभागों और संगठनों को सीधे बिक्री करने की सुविधा देता है। तदरूका सबसे बड़ा फायदा है पूरे भारत में सभी सरकारी विभागों तक ऑनलाइन पहुंच।

MSME Mart जैसे प्लेटफॉर्म एमएसएमई को बिजनेस-2-बिजनेस लेनदेन के लिए खरीदारों और सप्लायर्स से जोड़ने में विशेषज्ञ हैं।

RXIL, Mvxchange और इनवॉयसमार्ट जैसे ये प्लेटफॉर्म एमएसएमई के लिए इनवॉयस डिस्काउंटिंग और पेमेंट की सुविधा प्रदान करते हैं। इससे उन्हें तेजी से पेमेंट मिलने और अपने कैश फ्लो में सुधार करने में मदद मिलती है। एमएसएमई 45 डेज पेमेंट नियम के तहत बड़ी कंपनियों के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को माल या सेवा प्राप्त करने के 45 दिनों के भीतर भुगतान करना जरूरी है।

ये भारतीय कंपनी है दुनिया की सबसे बड़ी टूटी फ्रूटी निर्माता, आपने भी खाया होगा इसका अचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कहते हैं, सही सोच और लगातार मेहनत किसी भी छोटे आइडिया को बड़ी कहानी बना सकती है। इसका जीता-जागता उदाहरण निलॉन्स हैं। एक छोटे से गाँव में अचार बेचने से शुरू हुई यह कंपनी आज 500 करोड़ का FMCG ब्रांड बन चुकी है, जिसकी मौजूदगी पूरे भारत में है और जो दुनिया की सबसे बड़ी टूटी-फ्रूटी बनाने वाली कंपनी है।

निलॉन्स की संघर्ष से शुरुआत- निलॉन्स के वर्तमान CEO दीपक संघवी हैं। निलॉन्स की शुरुआत 1962 में हुई थी, तब दीपक संघवी के पिता और चाचा नींबू की खेती करते थे। वर्ल्ड वार के समय नींबू की मांग बहुत बढ़ी थी।

जिसकी वजह सैनिक जब थकान जाते थे तो नींबू उनके बड़े काम आता था।

ऐसे में उन्होंने नींबू से जुड़ी चीजों को वैल्यू-एडेड फूड प्रोडक्ट्स के रूप में बेचने का फैसला किया। शुरुआत नींबू का लाइम कॉर्डियल बनाकर की गई। 1967 में अचार लॉन्च हुआ, लेकिन लगातार सात साल तक मुनाफा नहीं हुआ।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बाणसागर डैम के गेट खुलते ही नदी के बीच धार में फंसा युवक, 6 घंटे के रेस्क्यू के बाद निकाला

शहडोल। जिले के बाणसागर बांध में अचानक पानी बढ़ जाने के कारण गुरुवार की देर साम गेट खोलना पड़ गए। गेट खुलते ही बांध के निचले हिस्से में नदी के बीचो-बीच मछली पकड़ रहा युवक नदी के बीच धार में फंस गया।

जानकारी मिलते पुलिस रेस्क्यू दल के साथ पहुंची और युवक को बाहर निकाला । इस रेस्क्यू के दौरान बांध के गेट बंद करने पड़े थे। 6 घंटे चले रेस्क्यू के बाद एसडीआरएफ की टीम एवं पुलिस ने युवक को सुरक्षित निकाल लिया। घटना देवलौंद थाना क्षेत्र के कुमहिया गांव की है। जानकारी के अनुसार बाणसागर के 6 गेट बुधवार खोले गए थे। जिले के आस पास हो रही वर्षा की वजह से बाणसागर का जलस्तर बढ़ा था, जिससे गेट खोले गए। तभी देवलौद के कुमहिया गांव में नदी के बीच मछली पकड़ रहा युवक अचानक नदी में आई बाढ़ में फंस गया।

पुलिस के अनुसार अल्ताफ खैरवार पिता बिंदु खैरवार (34) निवासी रामपुरवा का रहने वाला है। युवक जब नदी में अचानक बढ़ आई तो वह नदी के बीच टापू में खड़ा हो गया और मदद के लिए आवाज देने लगा। घटना स्थल के पास नदी के किनारे गांव के कुछ लोग मवेशियों को ले कर घर जा रहे थे। तभी लोगों ने चिल्लाने की आवाज सुनाई दिया। नदी में देखा तो टापू में एक युवक शर्ट उतार कर हाथ में रख उसे हिला कर मदद मांग रहा था। युवक को नदी के बीच फंसा देख गांव के लोगों ने मामले की जानकारी देवलौंद पुलिस को दी। जानकारी के बाद थाना प्रभारी सुभाष दुबे मौके पर पहुंचे और एसडीआरएफ टीम का मौके पर बुलाया गया। नदी के बीच में फंसे युवक की जानकारी थाना प्रभारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को दी, जानकारी के बाद अधिकारियों ने बाणसागर प्रबंधन से इस मामले में चर्चा की और डैम के खुले छह गेटों को तत्काल बंद कराया गया।

बुधवार रात तकरीबन 8.00 बजे पानी का जलस्तर कुछ काम हुआ। इसके बाद पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम ने संयुक्त रेस्क्यू आपरेशन शुरू किया। 6 घंटे के रेस्क्यू के बाद युवक को नदी से बाहर निकल गया है।

अल्ताफ खैरवार ने बताया कि वह मछली पकड़ने सोन नदी गया हुआ था, तभी अचानक बाणसागर डैम के गेट खुल गए और नदी का जल स्तर अचानक बढ़ गया, जिससे बचने वह नदी के बीच टापू में खड़ा हो गया और अपने बचाव के लिए मदद मांगने लगा, तभी मवेशी लेकर जा रहे गांव के लोगों ने उसकी आवाज सुनी और इसके बाद जाकर प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और युवक को सुरक्षित बाहर निकला गया है।रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद फिर से बाणसागर डैम के गेट खोल दिए गए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि हमें गांव के लोगों ने जानकारी दी थी कि नदी के बीच में एक युवक फंसा हुआ है। तब हमने वरिष्ठ अधिकारियों से इस मामले पर चर्चा कर बाणसागर डैम के खुले गेट को बंद कराया और रेस्क्यू ऑपरेशन कर युवक को बाहर निकल गया।

हरसी नहर में बहन को बचाने कूदा भाई... दोनों की दर्दनाक मौत

ग्वालियर। दतिया जिले से मोर छठ मेले में दुकान लगाने आए एक परिवार को बड़ा सदमा लगा है। ग्वालियर के डबरा के पास स्थित हरसी हाई लेवल नहर में डूबने से भाई-बहन की मौत हो गई। उनकी पहचान 18 वर्षीय गुनगुन मोगिया और 16 वर्षीय भाई गौरव के रूप में हुई है।

बुधवार रात गुनगुन और गौरव पास की दुकान पर सामान लेने जा रही थे। अचानक बहन का पैर फिसला, वह नहर में गिर गई। बचाने के लिए भाई ने भी छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों ने बचाव का प्रयास किया। बेलगढ़ा थाना पुलिस को सूचना दी गई। रात भर रेस्क्यू ऑपरेशन चला।सिंचाई विभाग की मदद से नहर में पानी का बहाव कम किया गया। सुबह रेस्क्यू फिर शुरू किया । दोनों के शव मिले। थाना प्रभारी बेलगढ़ा अजय सिकरवार का कहना है कि नहर में डूबने से दो भाई बहन की मौत हुई है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

खरगोन में आदिवासी समाज का प्रदर्शन, आरक्षक को पीटने वाले आरआई पर एफआईआर की मांग

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन में रक्षित निरीक्षक(आरआई) द्वारा आरक्षक से मारपीट के मामले में गुरुवार को आदिवासी समाज ने विरोध करते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की। जयस कार्यकर्ता कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, इनके साथ ही विधायक केदार डाबर, झूमा सोलंकी और जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नाइक भी मौजूद रहे। सभी बुधवार दोपहर 12 बजे से खंडवा बडौदा मार्ग पर चक्काजाम कर रहे थे। करीब 25 घंटे बाद खंडवा-बडौदा हाइवे पर जयस की अगुवाई में चल रहा है चक्काजाम समाप्त हो गया।

एसपी धर्मराज मीना ने रक्षित निरीक्षक सौरभ कुशवाह को कल ही निलंबित कर चुके हैं। डीआईजी सिद्धार्थ बहुगुणा ने बुराहनपुर एएसपी अंतरसिह कनेश को जांच सौपी है। रक्षित निरीक्षक सौरभ कुशवाह और उनकी पत्नी ने डॉग गुमने पर पुलिस आरक्षक राहुल चौहान से मारपीट की थी। आरक्षक ने गाली-गलौज के आरोप लगाए थे।आरक्षक की शिकायत और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद गंभीर घटना मानते हुए खरगोन एसपी मीना ने की कार्रवाई की थी। आदिवासी समाज के लोग रक्षित निरीक्षक सौरभ कुशवाह पर एफआईआर की मांग पर अड़े हैं। चक्काजाम खत्म होने के बाद खंडवा-बडौदा मार्ग यातायात शुरू हो गया है। चित्तौड़गढ़-भुसावल स्टेट हाईवे पर चक्काजाम

कलेक्टर कार्यालय के सामने हजारों आदिवासीयों ने चित्तौड़गढ़-भुसावल स्टेट हाईवे पर किया रास्ता जाम। एफआईआर दर्ज कराने की मांग पर अड़े आदिवासी समाज के लोग। विधायक केदार डाबर, झूमा सोलंकी, मोन्टू सोलंकी और खरगोन जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नाईक भी मौके पर मौजूद। पीडित आरक्षक राहुल चौहान और उनकी पत्नी जयश्री सहित सैकड़ों लोगों ने कलेक्टर कार्यालय के सामने किया चक्काजाम। पुलिस ने खरगोन-इंदौर मार्ग पर वाहनों को किया डायवर्ट।

यह है पूरा मामला-पुलिस लाइन में पदस्थ रक्षित निरीक्षक सौरभ कुशवाह पर अपने बंगले पर तैनात आरक्षक की बेल्ट से पिटाई कर घायल करने का गंभीर मामला सामने आया। आरआई का डॉग का बच्चा गुम हो गया था। इससे गुस्साए आरआई ने मारपीट कर दी। पीड़ि?त आरक्षक राहुल चौहान ने आरोप लगाते हुए बताया कि उसे आरआई के बंगले पर उनका बच्चा और पालतू डॉग संभालने की ड्यूटी पर लगाया गया था।

23 अगस्त को रात में आरआई ने डॉग के गुम होने से नाराज होकर इंद्रप्रस्थ कॉलोनी स्थित घर पर आकर पुलिस वाहन में बैठाकर बंगले पर लाए। यहां बंधक बनाकर बेल्ट से बेरहमी से पिटाई की। जब मैं घर नहीं पहुंचा तो पत्नी जयश्री तलाशते हुए बंगले पर पहुंची। उसके सामने भी आरआई ने पिटाई की। इसी दौरान आरआई की पत्नी ने जातिसूचक शब्द कहते हुए अपमानित किया।

भोपाल के नेशनल और इंटरनेशनल शूटर्स पर कारतूस तस्करी की आशंका, 48 से पूछताछ होना बाकी

भोपाल। भोपाल जिले के अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय शूटर्स पर कारतूसों की तस्करी करने की आशंका जताई जा रही है। यही कारण है कि उनसे जिला प्रशासन और पुलिस टीम द्वारा संयुक्त रूप से पूछताछ की जा रही है। दो दिन में टीम ने 32 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शूटर्स से पूछताछ कर ली है, जबकि 48 शूटर्स से पूछताछ की जानी बाकि है।

इन सभी शूटर्स से लाइसेंस, बंदूक और उपयोग किए गए कारतूसों का करीब 10 साल का रिकॉर्ड मांगा है। जिसे खंगालने के बाद पता चल सकेगा कि किन शूटर्स ने कारतूसों की खरीद-फरोख्त में गड़बड़ी की है, जिसके बाद उनके खिलाफ लाइसेंस निरस्त करने सहित अन्य कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि राजधानी में कुल 80 शूटर्स चिह्नित किए गए हैं, इनको संत हिरदाराम नगर तहसील में पेशी के लिए बुलाया गया है।अब तक इन शूटर्स से हो चुकी है पूछताछ

एसडीएम रविशंकर राय के कोर्ट में एडीशनल डीसीपी दीपक नायक द्वारा शूटर्स से पूछताछ की जा रही है। सोमवार और मंगलवार को हुई पेशी के दौरान सैय्यद शमून बुखारी, पीयूष गोगिया, फैजल नईम खान, असलम परवेज, आमिर खान तलैया, सुबयबा बुखारी, सैय्यद आरेब परवेज, आराश हुसैन, अहमद नजीफ किदवई, निशात खान, फईम हसन, हसीब खान, सैय्यद फारुख हुसैन, सैय्यद शारिक बुखारी, जुबिया खान, सुलेम अली, शाहनवाज अली, शफीक खां, अनम वासिन, मारूफ मोहम्मद खान, प्रियांशु पांडे, उमर मोहम्मद, गोल्डी गुर्जर, अब्दुल अली, सैय्यद उमर हुसैन, करनजीत सिंह, फैजान खान, अरशद हसन, नासिर सादब अकबर, रविराज मिश्रा, सुमैया रेहमान और मुस्तफा अली ने अपने लाइसेंस, बंदूक और कारतूस का हिसाब-किताब टीम को सौंपा है।

दो दिन का समय फिर होगी कार्रवाई-जांच दल द्वारा 29 अगस्त तक शूटर्स से दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। इस तरह अब 48 शूटर्स के पास दो दिन आज और कल का समय शेष रह गया है। इसके बाद शूटर्स के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा स्वयं निर्णय लेते हुए कार्रवाई की जाएगी।

गड़बड़ी होने की आशंका के चलते हो रही जांच

शूटिंग प्रतियोगिता के नाम पर कारतूसों में गड़बड़ी होने की आंशका के चलते जांच कराई जा रही है। जो भी जांच में दोषी पाया जाएगा उस पर कार्रवाई की जाएगी।

- कौशलेंद्र विक्रम सिंह, कलेक्टर

आत्मनिर्भरता अब केवल एक नारा ही नहीं है; यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का अटूट आधार है- रक्षा मंत्री

राष्ट्रीय सुरक्षा अब केवल सशस्त्र बलों का विषय नहीं रह गया है; यह पूरे राष्ट्र के दृष्टिकोण का मुद्दा बन चुका है

इंदौर। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आधुनिक समय में युद्ध की बढ़ती जटिलताओं और अप्रत्याशितता के पीछे प्रौद्योगिकी एवं आश्चर्य के सम्मिश्रण को मुख्य कारण बताते हुए नए नवाचारों तथा अप्रत्याशित चुनौतियों के लिए तैयार रहने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने मौजूदा प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल करने की भी आवश्यकता जताई है ताकि समय के साथ आगे रहते हुए चला जा सके। रक्षा मंत्री 27 अगस्त को मध्य प्रदेश के डॉ. आंबेडकर नगर स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में युद्ध, संघर्ष और युद्ध लड़ने की कला पर आयोजित अपनी तरह के पहले त्रि-सेवा सम्मेलन रण संवाद को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आधुनिक युद्ध अब भूमि, समुद्र और हवा तक सीमित नहीं रह गए हैं; अब वे अंतरिक्ष व साइबरस्पेस तक फैल गए हैं। उन्होंने कहा कि उपग्रह प्रणालियां, उपग्रह-रोधी हथियार और अंतरिक्ष कमान केंद्र शक्ति के नए साधन हैं। आज हमें सिर्फ रक्षात्मक तैयारी की ही नहीं, बल्कि एक सक्रिय रणनीति की भी आवश्यकता है। श्री सिंह ने कहा कि भविष्य के युद्ध मात्र हथियारों की लड़ाई से नहीं होंगे; बल्कि वे तकनीक, खुफिया जानकारी, अर्थव्यवस्था और कूटनीति का मिला-जुला रूप होंगे। इससे हमारा राष्ट्र प्रौद्योगिकी, रणनीति एवं अनुकूलनशीलता के त्रिकोण में निपुण होगा और वह समृद्ध वैश्विक शक्ति के रूप में उभरेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह इतिहास से सीखने और नया इतिहास लिखने का वक्त है; यह भविष्य का अनुमान लगाने तथा उसे आकार देने का समय है।

श्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि अब केवल सैनिकों की संख्या या हथियारों के भंडार का आंकड़ा ही पर्याप्त नहीं है, क्योंकि साइबर युद्ध, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , मानव रहित हवाई यान और उपग्रह आधारित निगरानी भी भविष्य के युद्धों को आकार दे रहे हैं। उन्होंने सटीक निर्देशित हथियारों, वास्तविक समय की खुफिया जानकारी और डेटा-संचालित सूचना को किसी भी युद्ध में सफलता की कुंजी बताया। श्री सिंह ने कहा कि प्रौद्योगिकी इतनी तेजी से आगे बढ़ रही है कि जब तक हम एक नवाचार को पूरी तरह समझ पाते हैं, तब तक दूसरा उभर आता है - जो युद्ध की दिशा को पूरी तरह बदल देता है। उन्होंने कहा कि मानवरहित हवाई वाहन, हाइपरसोनिक मिसाइलें, साइबर हमले और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित निर्णय प्रक्रिया ऐसे उपकरणों के उदाहरण हैं, जो आधुनिक समय के संघर्षों में अप्रत्याशित बदलाव ला रहे हैं। इस तथ्य की सबसे खास बात यह है कि अब इसका कोई स्थायी रूप नहीं रह गया है। यह सदैव बदलता रहता है और अपने साथ अनिश्चितता लेकर चलता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह अनिश्चितता ही है जो विरोधियों को उलझन में डाल देती है और अक्सर युद्ध के परिणाम में निर्णायक कारक बन जाती है।

खजराना गणेश मंदिर में शुरु हुआ 10 दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव

इंदौर। इंदौर के प्रसिद्ध श्री खजराना गणेश मंदिर में आज से 10 दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव प्रारंभ हुआ। कलेक्टर सह अध्यक्ष श्री आशीष सिंह ने बुधवार को सपरिवार खजराना गणेश मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया और दस दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त सह प्रशासक श्री शिवम वर्मा सहित अन्य अधिकारी व मंदिर प्रबंध समिति के पदाधिकारी मौजूद थे। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन विशेष साज-सज्जा, पूजन-अर्चन के साथ-साथ भजन संध्याएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित होंगी। इस वर्ष देशभर से कई प्रसिद्ध भजन गायक और कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

ध्वजा-पूजन और लड्डू प्रसादी का वितरण- उद्घाटन दिवस पर ध्वजा-पूजन किया गया और लड्डू प्रसादी का वितरण हुआ। श्रद्धालुओं में खास उत्साह देखने को मिला।

मार्च तक इंदौर में बनेंगी 277 नई सड़कें, त्यौहारों में हादसों पर संभागायुक्त सख्त, बोले तेज करो काम

इंदौर। संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में इंदौर संभाग के अंतर्गत सड़कों के निर्माण एवं संधारण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सड़क निर्माण से जुड़े अधिकारी संभागायुक्त कार्यालय में तथा नगर निगम के अधिकारी गूगल मीट के माध्यम से जानकारी ली। बैठक में संभागायुक्त सिंह ने संभाग में चल रहे विभिन्न सड़कों, पुल-पुलिया के निर्माण कार्य एवं संधारण कार्यों की समीक्षा की। सिंह ने संधारण और मरम्मत योग्य सड़कों की स्थिति के संबंध में अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की। साथ ही उन्होंने संभाग की सभी सड़कों एवं फ्लाईओवर का निर्माण एवं संधारण का कार्य समयसीमा में गुणवत्ता के साथ करने की सख्त हिदायत भी दी है। उन्होंने कहा कि बारिश में आम नागरिकों एवं वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी नहीं हो, इस बात का ध्यान रखा जाए। निर्माणाधीन सड़कों एवं पुल-पुलिया के आसपास सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेट, होर्डिंग्स, रेडियम आदि के संकेतक लगाएं। सड़कों एवं पुल-पुलिया के संधारण का कार्य लगातार जारी रखें। संभागायुक्त सिंह ने आगामी समय मे आने वाले त्यौहारों में सड़कों से किसी तरह की परेशानी न हो इस बात का पूरा-पूरा ध्यान रखने की हिदायत दी है। खासकर गणेशोत्सव, नवरात्रि आदि त्यौहारों को देखते हुए सड़कों के निर्माण और संधारण के कार्य में गति लाएं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भी मरम्मत एवं निर्माण का कार्य जारी रखा जाए। सिंह ने कहा कि संभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कें और संधारण के कार्य में लोक निर्माण विभाग, नगर पालिका निगम, एनएचएआई, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम आदि विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। सिंह ने निर्माण कार्यों में हो रहे विलम्ब पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के साथ ही ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सीडीएस ने रण संवाद में विशेष बलों के संचालन और एयरबोर्न एवं हेलीबोर्न अभियानों के लिए संयुक्त सिद्धांत जारी किए

इंदौर। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने 27 अगस्त को मध्य प्रदेश के डॉ. अंबेडकर नगर स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजित त्रि-सेवा सेमिनार 'रण संवाद' के दौरान विशेष बल और एयरबोर्न एवं हेलीबोर्न संचालन के लिए संयुक्त सिद्धांतों का विमोचन किया। कार्यक्रम में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और थल सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह भी उपस्थित थे।

तीनों सेनाओं की सक्रिय भागीदारी से एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय के डॉक्ट्रिन डायरेक्टरेट के तत्वावधान में तैयार किए गए ये सिद्धांत विशेष बल मिशनों और हवाई अभियानों के संचालन के लिए मार्गदर्शन, परिचालन अवधारणाओं और अंतर-संचालन ढांचे को निर्धारित करेंगे।

शराब के नशे में कॉल कर भूपेंद्र से लड़ती थी इति, अब पुलिस नोटिस देकर करेगी पूछताछ

इंदौर। तीन पबों के संचालक भूपेंद्र रघुवंशी की विस्तृत जांच पुलिस गुरुवार से शुरू करेगी। भूपेंद्र की अंत्येष्टी के बाद पुलिस अफसर भूपेंद्र के परिजनों से बयान लेंगे। सुसाइड नोट, परिजनों के बयानों के आधार पर पुलिस इति को नोटिस देकर मुबंई से इंदौर बुलाएगी। पुलिस ने इति पर आत्महत्या के लिए उकसाने व ब्लैकमेलिंग का प्रकरण दर्ज करने की तैयारी कर ली है। पुलिस ने भूपेंद्र के नौकर, ड्रायवरों से पूछताछ की तो पता चला कि भले ही इति मुबंई में रहे, लेनिक वह भूपेंद्र पर पूरी तरह निगरानी रखती थी। बार-बार उसे वीडियो कॉल करती थी। उसे लोकेशन भेजने को कहती थी। इति नशा भी करती थी और रात को नशे में वीडियो कॉल कर भूपेंद्र से झगड़ा करती थी।

पुलिस इति के पति की भूमिका की भी जांच करेगी। जब उसे इति व भूपेंद्र के बारे में सब पता था तो वह उसे रोकता था या नहीं। इसका भी पता लगाया जा रहा है। पुलिस को इति के किसी ब्लैकमेलिंग गिरोह से जुड़े होने की भी आशंका है। 25 लाख रुपये लेने के बावजूद इति भूपेंद्र पर फ्लैट, कार खरीदकर देने का दबाव बना रही थी और इसके लिए परेशान करती थी। भूपेंद्र उसके कॉल रिकार्ड न कर सके, इसलिए वह वाट्सअप कॉल करती थी।

देर रात इंदौर आई भूपेंद्र की बेटी- भूपेंद्र की बेटी यूएस में रहकर पढ़ाई करती है। वह बुधवार देर रात इंदौर पहुंची। गुरुवार दोपहर 2 बजे रिजनल पार्क मुक्तिधाम पर भूपेंद्र की अंत्येष्टी की जाएगी। इसके बाद पुलिस भूपेंद्र की पत्नी, परिजनों व भूपेंद्र के करीबी दोस्तों के बयान लेगी। पुलिस भूपेंद्र और इति के बीच होने वाले कॉल के साक्ष्य भी एकत्र करेगी। इसके लिए पुलिस भूपेंद्र के मोबाइल के डेटा की भी जांच करेगी।

मिथिला की परंपरा के संग शहर के मैथिल समाज के परिवारों में मनाया गया चौरचन पर्व

इंदौर। शहर में रह रहे बिहार मूल के मैथिल समाज ने श्रद्धा और उल्लास के साथ चौरचन (चौठचन्द्र) पर्व मनाया। महिलाओं ने दिनभर उपवास रखने के बाद आँगन व छत पर अरिपन बनाकर विघ्नहर्ता गणेश और चन्द्रदेव की पूजा की। पूजन के बाद खीर, पूड़ी, पिरुकिया, खाजा-लड्डू व फल अर्पित कर परिवारजनों ने हाथ में फल लेकर चन्द्रमा का दर्शन किया। पूजा के दौरान अथरा (मिट्टी के बर्तन) में जमाए दही और लोकगीतों ने मिथिला की परंपराओं को जीवंत बना दिया।

मैथिल समाज के वरिष्ठ के.के. झा ने बताया कि तुलसी नगर, स्कीम नं. 78, संगम नगर, बाणगंगा, विजय नगर, सिलिकॉन सिटी, राऊ, पीथमपुर और महू सहित विभिन्न क्षेत्रों में परिवारों ने परंपरागत विधि से चौरचन मनाया। संगम नगर निवासी लाल देवी ने कहा कि इस व्रत से जीवन के संकट दूर होते हैं। वहीं तुलसी नगर की शारदा झा ने बताया कि जैसे छठ पूजा में सूर्य की आराधना होती है, वैसे ही चौरचन में चन्द्रदेव की पूजा का विशेष महत्व है, जिससे सुख-समृद्धि और मानसिक शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि व्रतधारी महिलाएं चौरचन त्यौहार से एक दिन पहले बिना नमक का भोजन ग्रहण करती हैं और मिट्टी के विशेष बर्तन (अथरा) में स्वच्छता से दही जमाती हैं।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

निगम उद्यानों में किसी भी प्रकार के सार्वजनिक आयोजन नहीं होंगे इसके सूचना पटल लगाए जाएं-प्रभारी शिवेंद्र तिवारी

उज्जैन। नगर निगम द्वारा संचालित एवं संधारित उद्यानों में किसी भी प्रकार के सार्वजनिक आयोजन जिसमें गरबा आयोजन, मूर्ति सिपना होगी इसके लिए उद्यानों में सूचना पटल एवं फ्लेक्स लगाते हुए जानकारी दी जाए यह बात उद्यान विभाग प्रभारी शिवेंद्र तिवारी द्वारा गुरुवार को उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक में कहीं गई।

बैठक में प्रभारी शिवेंद्र तिवारी द्वारा निर्देशित किया गया कि उद्यानों के कार्य हेतु रोटेशन अनुसार वार्डों में संसाधन उपलब्ध करवाएं जाए, शहर के प्रमुख चौराहों पर जो रोटरिया हैं उनके संधारण एवं रखरखाव कार्य की आवश्यकता है उन्हें संधारित करें ताकि शहर की सुंदरता प्रभावित ना हो, आदर्श उद्यान के लिए जोनों में दो-दो उद्यानों को चिन्हित करते हुए आदर्श उद्यान के रूप में विकसित किया जाए, शहर में सिंहस्थ महापर्व 2028 को दृष्टिगत रखते हुए चौड़ीकरण कार्य एवं ब्रिज निर्माण के कार्य प्रचलित है इसलिए जिन स्थानों पर निर्माण कार्य होने हैं वहां को रोटरीयो एवं स्थानों पर महापुरुषों की प्रतिमा स्थापित है उनके पुनर्विस्थापन के लिए स्थल चयन करें ताकि प्रतिमाओं को चिन्हित स्थानों पर पुनः लगाया जा सके। बैठक में सहायक आयुक्त पवन कुमार फुलफकीर, कार्यपालन यंत्री जगदीष मालवीय, सहायक यंत्री मनोज राजवानी, संबंधित जोन के उपयंत्री एवं उद्यान दरोगा उपस्थित रहे।

1.53 करोड़ लागत के नवीन वाहनों का महापौर एवं निगम अध्यक्ष ने किया लोकार्पण

उज्जैन। स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान अंतर्गत उज्जैन नगर पालिक निगम के संसाधनों में राशि रुपए लगभग 01 करोड़ 53 लाख की लागत के 15 नए वाहन एवं 1 फागिंग मशीन शामिल हुई है जिससे शहर की सफाई व्यवस्था पहले से और अधिक व्यवस्थित एवं बेहतर तरीके से हो सकेगी गुरुवार को टावर चौराहा पर नए वाहनों की महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, नगर भाजपा अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, वर्कशॉप विभाग की प्रभारी सदस्य श्रीमती दुर्गा शक्ति सिंह चौधरी द्वारा पूजन करते हुए फीता काट कर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

वर्कशॉप विभाग के अपर आयुक्त संतोष टैगोर द्वारा जानकारी देते हुए अवगत करवाया गया कि स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान अंतर्गत 15 नए वाहन शहर की सफाई व्यवस्था हेतु नगर निगम द्वारा खरीदे गए हैं जिसमें 12 मिनी टीपर (कचरा संग्रहण वाहन) राशि रुपए लगभग 01 करोड़, 02 ट्रैक्टर ट्राली राशि रुपए लगभग 25 लाख, 01 डंपर मृत पशुओं को उठाने के लिए राशी रुपए लगभग 24 लाख, 01 फागिंग मशीन राशी रुपए लगभग 04 लाख इस प्रकार से कूल 01 करोड़ 53 लाख रुपए की लागत के वाहन खरीदे गए हैं जिससे वार्डों में डोर टू डोर कचरा संग्रहण करने में परेशानी नहीं होगी एवं पार्षदों की मांग के अनुसार कचरा वाहन उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस दौरान एमआईसी सदस्य सत्यनारायण चौहान, रजत मेहता, षिवेंद्र तिवारी, जितेंद्र कुवाल, कैलाश प्रजापत, डॉ योगेश्वरी राठौर, अपर आयुक्त संतोश टैगोर, सहायक आयुक्त राघवेंद्र सिंह पालिया, वर्कषॉप् विभाग के अधिकारी रवि राठौर, पार्शद प्रतिनिधि श्री विजय चौधरी, कुषाल गुप्ता, मंडल अध्यक्ष हरीष सोलंकी उपस्थित रहे।

डोल ग्यारस पर्व पर नरसिंह भगवान का फूलडोल चल समारोह निकलेगा

उज्जैन। वर्षों की परम्परानुसार इस वर्ष भी दिनांक 3 सितंबर 2025 को स्थानीय श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर, छोटा सराफा, उज्जैन से एक फूलडोल चल समारोह संध्या 4 बजे आरंभ होकर शहर के नमकमंडी, छत्रीचैक, ढाबा रोड, कार्तिक चैक, रामानुजकोट होकर क्षिप्रा तट रामघाट पहुंचेगा।

श्री लक्ष्मी नृसिंह देवस्थान ट्रस्ट उज्जैन के अध्यक्ष कैलाश माहेश्वरी व मंत्री मंगलप्रसाद भट्टड़ के अनुसार फूलडोल चल समारोह पूजन अर्चन पश्चात वापसी कहारवाड़ी, गुदरी, पटनी बाजार, गोपाल मंदिर, मिर्जा नईम बेग मार्ग, गोलामंडी, मुसद्दीपुरा, सतीगेट, छोटा सराफा स्थित मंदिर पर समापन होगा। इसमें पालकी समाजजन एवं बैंड आदि सम्मिलित रहेंगे व सैकड़ों की संख्या में समाजजन सम्मिलित होंगे।

6वी मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय थांगता प्रतियोगिता में शहर के बच्चों में बाजी मारी

उज्जैन। 6वी मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय थांगता प्रतियोगिता का आयोजन 22-24 अगस्त 2025 को भोपाल के एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में मध्य प्रदेश थांगता एसोसिएशन द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में उज्जैन से 5 खिलाडियों ने सहभागिता की। उज्जैन टीम के कोच अभिषेक मरमट ने बताया कि टीम ने जूनियर एवं सीनियर वर्ग में भाग लेकर 1 स्वर्ण, 3 रजत एवं 1 कांस्य पदक प्राप्त किए जिसमें बालिका 14 साल से कम में 41 किलो से कम समूह में माही यादव को स्वर्ण पदक, 53 किलो से ज्यादा वजन समूह में अर्पिता रॉय को रजत पदक, बालक 14 साल से कम में 29 किल से कम वजन समूह में लक्षित आंजना को रजत पदक , 41 किलो से कम वजन समूह में परमवीर सिंह शेखावत को कांस्य पदक, एवं बालिका सीनियर वर्ग में 44 किलो से कम वजन समूह में निशा चौहान को रजत पदक प्राप्त हुए। खिलाडियों की इस सफलता पर मध्य प्रदेश थांगता एसोसिएशन के सचिव शिवेंद्र सिंह परमार, गौरव रोकड़े, कालेश्वरे गामड़, रवि यादव, अभिषेक सोलंकी ने उन्हें बधाई देकर खिलाडियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

विक्रम उद्योगपुरी भूमि अधिग्रहण के खिलाफ 7 गांव के किसानों ने किया प्रदर्शन

झूठे बयान देकर भ्रम फैला रहे अधिकारियों की गलत बयानबाजी पर जताया आक्रोश

उज्जैन। विक्रम उद्योगपुरी भूमि अधिग्रहण से प्रभावित 7 गांव के किसान गुरूवार को विक्रम नगर उद्योगपुरी से रैली के रूप में कोठी पहुंचे किसानों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि 90 प्रतिशत से अधिक किसान इस भूमि अधिग्रहण के विरोध में हैं बावजूद इसके अधिकारियों द्वारा मीडिया में गलत बयानबाजी की जा रही है, अधिकारी कह रहे हैं कि भूमि अधिग्रहण में समस्त किसान भूमि देने को तैयार हैं जबकि किसान अपनी जमीन के लिए सड़क से न्यायालय तक लड़ाई लड़ रहा है और सरकार द्वारा किसानों को बर्बाद करने के लिए लाई गई इस योजना का पुरजोर विरोध कर रहा है।

किसानों के प्रदर्शन की खबर लगते ही विक्रम उद्योगपुरी में ही अधिकारियों ने उन्हें रोकने की बातचीत की कोशिश की लेकिन किसान कलेक्टर से बात करने पर अड़े रहे और रैली के रूप में कोठी

पहुंचे। किसानों ने कहा कि अधिकारियों के अनुसार 25.8.25 को अवार्ड कर दिया है जिसकी हमें कोई सूचना नहीं दी गई, जबकि हमारे पास हाई कोर्ट का स्टे है। किसानों ने कहा कि अपर कलेक्टर को सभी के स्टे की कॉपी सौपी लेकिन उन्होंने स्पष्ट कहा कि हम आपके स्टे को नहीं मानते हैं। किसान कोठी पर कलेक्टर से बात करने पर अड़े रहे। यहां एसडीएम सहित दो अपर कलेक्टर ने किसानों से कहा कि कलेक्टर बाहर हैं, और आश्वासन दिया कि दो दिन में कलेक्टर के साथ किसानों की बैठक कराई जाएगी। इसके बाद किसानों ने ज्ञापन अधिकारियों को सौंपकर अपना विरोध दर्ज कराया।

किसानों ने बताया कि विक्रम उद्योगपुरी के फेस -2 हेतु भू-अर्जन के संबंध में क्षतिपूर्ति के लिए मुख्यमंत्री द्वारा तथाकथित घोषित विशेष पैकेज के संबंध में और पीड़ित कृषकों के समर्थन के संबंध में एमपीआईडीसी कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ द्वारा मिथ्या बयानबाजी की जा रही है। एमपीआईडीसी कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ ने बयान दिया है कि मुख्यमंत्री के स्पेशल पैकेज स्वीकृत किये जाने से भूमि स्वामी इस परियोजना के समर्थन में खड़े हैं जबकि सत्यता, वास्तविकता और अभिलेख का विषय है कि उक्त भू अर्जन के विरुद्ध 96 प्रतिशत आपत्तियां प्रस्तुत हुई थी जिसे निरस्त होने के उपरांत लगभग 90 प्रतिशत पीड़ित कृषक अवैधानिक कार्रवाई के विरुद्ध उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाएं प्रस्तुत कर चुके हैं, जो कि वर्तमान में विचाराधीन है।

भू अर्जन कार्यवाही पर अस्थाई स्थगन आदेश पारित हुए है। 10 दिवसीय धरने के उपरांत प्रशासन के निवेदन पर 09/07/2025 को कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए गए ज्ञापन में पीड़ित कृषकों द्वारा अपनी मांग एवं भू-अर्जन हेतु दर के संबंध में स्पष्ट रूप से अंकित किया है।

नगर गणेश मित्र मंडली ने उज्जैन की सबसे बड़ी गणेश जी प्रतिमा विराजित कर महाआरती की

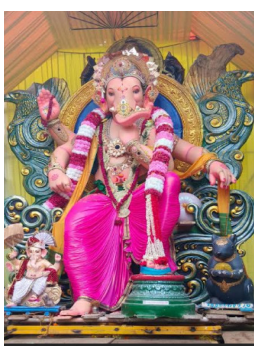

उज्जैन। खजूर वाली मस्जिद स्थित नगर गणेश चौराहे पर नगर गणेश मित्र मंडली द्वारा गणेश जी धूमधाम से विराजमान किए गए। टावर चौक फ्रीगंज से गणेश चौराहे तक चल समारोह निकाला जिसमें बड़ी संख्या में मौजूद रहे। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी गणेश उत्सव पर्व के चलते नगर गणेश चौराहे पर गणेश भगवान बड़े ही धूमधाम के साथ विराजित किए गए। समाजसेवी निशान यादव एवं रोहित मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी गणेश जी की प्रतिमा विराजित की है। गणेश उत्सव के अवसर पर चल समारोह का आयोजन किया गया। चल समारोह शुरू करने से पहले टावर चौक पर गणेश जी की प्रतिमा का भव्य स्वागत किया और आतिशबाजी की गई।कार्यक्रम के संरक्षक मुख्यमंत्री के बड़े भाई नंदकिशोर यादव एवं नारायण यादव विशेष रूप से उपस्थित थे। फ्रीगंज स्थित टावर चौक से चल समारोह शुरू हुआ जो उज्जैन के प्रमुख मार्गो से होता हुआ नगर गणेश चौराहे पर समाप्त हुआ।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com